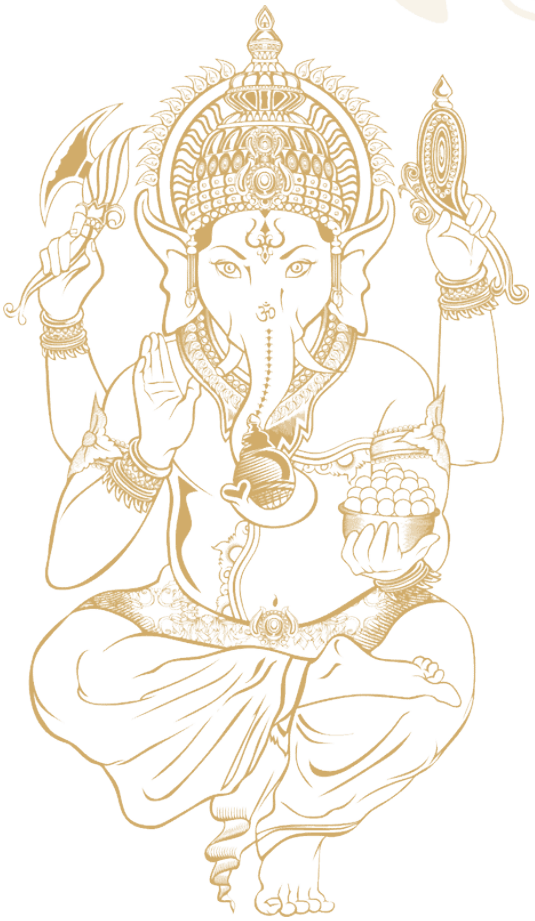

Ansul

01 Sep 1999

03:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120534503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/09/1999**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:00:00 घंटे**
इष्ट	22:32:50 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:38:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:12 घंटे
साम्पातिक काल	13:19:18 घंटे
सूर्योदय	05:58:51 घंटे
सूर्यास्त	18:43:13 घंटे
दिनमान	12:44:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:39:47 सिंह
लग्न के अंश	11:50:46 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:50:46	341:06:07	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			सिंह	14:39:47	00:58:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	24:21:18	14:12:32	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			वृश्चि	05:16:10	00:37:13	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध		अ	सिंह	07:38:31	01:57:44	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	11:02:58	00:01:27	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व		कर्क	26:46:43	00:22:44	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	23:19:38	00:00:15	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	18:51:25	00:01:43	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	18:51:25	00:01:43	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	20:01:30	00:02:06	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप	व		मक	08:12:24	00:01:14	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	13:56:16	00:00:27	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कन्या	27:36:14	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:56

लग्न-चलित

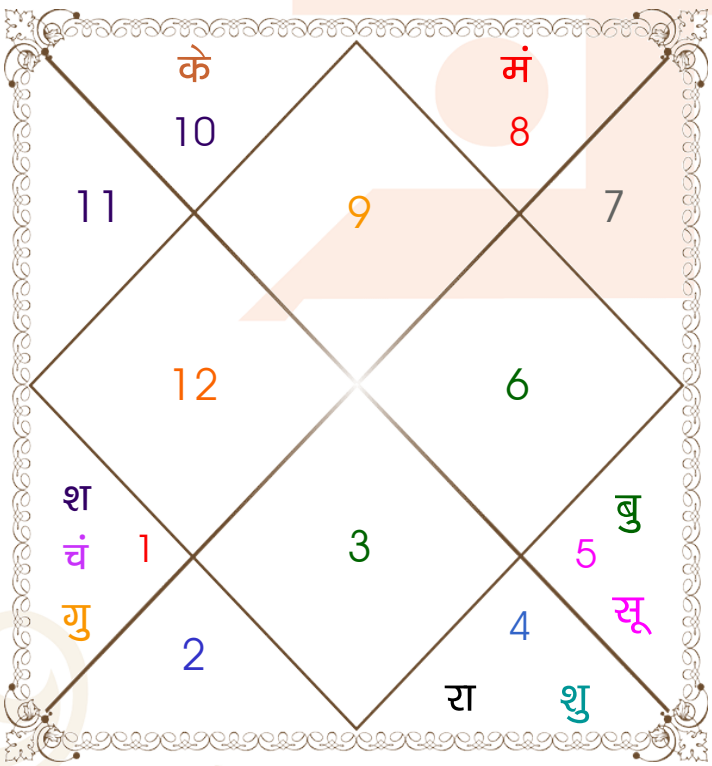

चन्द्र कुंडली

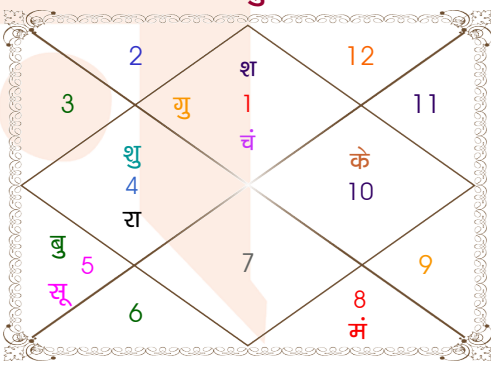

नवमांश कुंडली

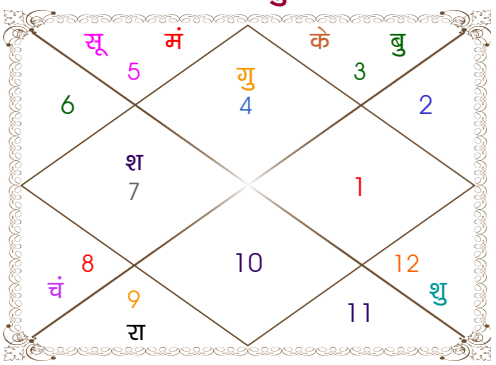

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 5 मास 18 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/09/1999		19/02/2003		18/02/2009		19/02/2019		18/02/2026	
19/02/2003		18/02/2009		19/02/2019		18/02/2026		19/02/2044	
	00/00/0000	सूर्य	08/06/2003	चंद्र	20/12/2009	मंगल	18/07/2019	राहु	01/11/2028
	00/00/0000	चंद्र	08/12/2003	मंगल	21/07/2010	राहु	04/08/2020	गुरु	27/03/2031
	00/00/0000	मंगल	14/04/2004	राहु	19/01/2012	गुरु	11/07/2021	शनि	31/01/2034
	00/00/0000	राहु	08/03/2005	गुरु	20/05/2013	शनि	20/08/2022	बुध	20/08/2036
	00/00/0000	गुरु	26/12/2005	शनि	20/12/2014	बुध	17/08/2023	केतु	07/09/2037
	00/00/0000	शनि	08/12/2006	बुध	20/05/2016	केतु	13/01/2024	शुक्र	07/09/2040
	01/09/1999	बुध	14/10/2007	केतु	19/12/2016	शुक्र	15/03/2025	सूर्य	02/08/2041
बुध	20/12/2001	केतु	19/02/2008	शुक्र	20/08/2018	सूर्य	20/07/2025	चंद्र	31/01/2043
केतु	19/02/2003	शुक्र	18/02/2009	सूर्य	19/02/2019	चंद्र	18/02/2026	मंगल	19/02/2044

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/02/2044		19/02/2060		19/02/2079		19/02/2096		20/02/2103	
19/02/2060		19/02/2079		19/02/2096		20/02/2103		00/00/0000	
गुरु	08/04/2046	शनि	22/02/2063	बुध	17/07/2081	केतु	17/07/2096	शुक्र	21/06/2106
शनि	19/10/2048	बुध	01/11/2065	केतु	15/07/2082	शुक्र	16/09/2097	सूर्य	21/06/2107
बुध	25/01/2051	केतु	11/12/2066	शुक्र	14/05/2085	सूर्य	22/01/2098	चंद्र	19/02/2109
केतु	01/01/2052	शुक्र	09/02/2070	सूर्य	21/03/2086	चंद्र	23/08/2098	मंगल	21/04/2110
शुक्र	01/09/2054	सूर्य	22/01/2071	चंद्र	20/08/2087	मंगल	19/01/2099	राहु	21/04/2113
सूर्य	20/06/2055	चंद्र	23/08/2072	मंगल	17/08/2088	राहु	07/02/2100	गुरु	21/12/2115
चंद्र	19/10/2056	मंगल	01/10/2073	राहु	06/03/2091	गुरु	14/01/2101	शनि	20/02/2119
मंगल	25/09/2057	राहु	07/08/2076	गुरु	11/06/2093	शनि	22/02/2102	बुध	02/09/2119
राहु	19/02/2060	गुरु	19/02/2079	शनि	19/02/2096	बुध	20/02/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।